<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर फ्फ्क ब्क

तेरापंथ भवन दुगड़ विद्यालय रोड, सरदारशहर * फै□स : क्भ्म्ब–ख्छ्भ फ्क्म

खराब प्रवृति को दूर करने का प्रयास करें : आचार्य महाश्रमण

'मोह उसी व्यक्ति के होता है जो तृष्णा युक्त होता है, जिसके भीतर कुछ विकार नहीं रहा वह लोभ मुक्त व्यक्ति हो जाता है। साधना के क्षेत्र में साधना की मंजिल प्राप्त करने के लिए राग–द्वैष को निराकृत करना आवश्यक होता है'

उक्त विचार आचार्यश्री महाश्रमण ने तेरापंथ भवन में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए अपने दैनिक प्रवचन कहे।

आचार्यश्री महाश्रमण उपासकों की ओर इंगित करते हुए कहा कि उपासक के सामने साधना का मार्ग है, उन्हें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कौनसी खराब प्रवृति है जो खराब प्रवृति है उसे दूर करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से एक ाजाना बताने वाले व्यक्ति की तरफ आकर्षण होता है उसी तरह अपनी वास्तविक कमी को बताने वाले के प्रति आकर्षण होना चाहिए और जो कमी है उसे दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

कषाय मंदता की साधना चरित्र की साधना हो जाती है। उनके सामने लक्ष्य रहे कि हमें तत्वज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ना है और साथ में कषाय, गुस्सा को कम करने की साधना करनी है, उन्होंने कहा कि उपासक उपासिकाओं में अच्छी योग्यता का विकास हो। जिसमें अहंकार नहीं हेाता है और जिसका व्यवहार निर्मल होता है, वह गुणवान व्यक्ति होता है।

आचार्यश्री महाश्रमण ने यह भी कहा कि उपासकों के लिए जरूरी है कि छह विज्ञ जिसमें दूध, दही, घी, तराई आदि जो रस हैं उनका ज्यादा मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए, इन रसों का ज्यादा सेवन विकार पैदा करता हैं।

ज्ञानशाला में प्रथम प्रशिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में स्थानीय जैन श्वेता बर तेरापंथी सभा द्वारा ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं का प्रमाण–पत्र दिया गया, ज्ञातव्य है कि ज्ञानशाला संस्कार निर्माण की पाठशाला है जिसमें बच्चों को प्रमाण पत्र दिया गया, ज्ञातव्य है कि ज्ञानशाला संस्कार निर्माण की पाठशाला है, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास पर पूरा ध्यान दिया जाता है। ज्ञानशाला के माध्यम से बच्चों में ज्ञानार्जन के साथ–साथ अच्छे संस्कारों का निर्माण किया जाता है। ज्ञानशाला संयोजक संपत सुराणा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय तेरापंथी सभा द्वारा संचालित ज्ञानशाला में क्भ बच्चे पंजीकृत हैं।

ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं में श्रीमती राजूदेवी छाजेड़, श्रीमती पुष्पा दस्साणी ने स्नातक व श्रीमती माया ज मड़ विशारद में प्रथम स्थान प्राप्त किया, विज्ञ में प्रथम स्थान श्रीमती सुशीला पुगलिया, श्रीमती सुनीता कुण्डलिया ने प्राप्त किया इसके अलावा विज्ञ में द्वितीय स्थान पर श्रीमती कल्पना दुगड़, श्रीमती कमला गदैइया, श्रीमती शर्मीला बरड़िया, श्रीमती कल्पना मिनी को चातुर्मास व्यवस्था समिति के स्वागताध्यक्ष बिमलकुमार नाहटा ने प्रमाण पत्र भेंट किया।

तथास्तु सी.डी. का लोकार्पण

आचार्यश्री महाश्रमण ने ए.जी. मिशन द्वारा निर्मित तथास्तु सी.डी. का लोकार्पण किया। इस सीडी को महात्मा गांधी नोलेज सिटी व ए. जी. मिशन के चेयरमेन एवं तेरापंथ सभा श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व मंत्री तुलसीराम चौरड़िया एवं ए.जी. खोखर ने आचार्य महाश्रमण एवं साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा को भेंट किया। साखमित्रा अश्वीनी के निर्देश में निकली इस सीडी में आचार्य महाप्रज्ञ एवं उनके आयामों से जुड़े तथ्यों को स मलित किया गया है। खोखर के अनुसार इसमें गायिका संगीता शर्मा द्वारा स्वर दिया गया है। उन्होंने बताया कि श्रीडूंगरगढ़ जयपुर हाईवे पर स्थित महात्मा गांधी नोलेजे सिटी के उद्घाटन पर आचार्य महाप्रज्ञ का पधारना हमारे सौभाग्य को जगाने वाला है। आचार्य महाप्रज्ञ का स पूर्ण मानव जाति के आचार्य थे, इसलिए मैं मुस्लिम समुदाय का होते हुए भी उनका भक्त हूं।

– शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)